

## देहरादून में चौथे ईएमआरएस राष्ट्रीय सांस्कृतिक और साहित्यिक उत्सव एवं कला उत्सव-2023 का हुआ उद्घाटन

### चर्चा में क्यों?

3 अक्टूबर, 2023 को केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री अरजुन मुंडा ने उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सहि धामी की उपस्थिति में चौथे एकलव्य मॉडल आवासीय वदियालय (ईएमआरएस) राष्ट्रीय सांस्कृतिक और साहित्यिक उत्सव एवं कला उत्सव-2023 का उद्घाटन किया।

### प्रमुख बंदि

- इस उत्सव का आयोजन जनजातीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत जनजातीय छात्रों के लिये राष्ट्रीय शक्तिषा सोसायटी (एनईटीएस) ने किया है और महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज, देहरादून में एकलव्य वदियालय संगठन समिति (ईवीएसएस), उत्तराखंड इसकी मेज़बानी कर रहा है।
- एकलव्य मॉडल आवासीय वदियालय (ईएमआरएस) सांस्कृतिक उत्सव आदवासी छात्रों को वभिन्न क्षेत्रों में अपनी छपीं प्रतभिा दखाने के लिये एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करता है।
- इस वर्ष चार दविसीय कार्यक्रम (3-6 अक्टूबर) में 22 राज्यों के 2000 से अधिक आदवासी छात्र प्रदर्शन करेंगे।
- उत्सव में 20 से अधिक कार्यक्रम आयोजति किये जाएंगे, जनिमें नृत्य और गीत प्रदर्शन से लेकर प्रश्नोत्तरी एवं दृश्य कला आदि शामिल हैं। आदवासी संस्कृति को प्रदर्शति करने के लिये वभिन्न राज्यों के स्टॉलों की व्यवस्था की गई है।
- इस तरह के आयोजन ईएमआरएस के बच्चों एवं शक्तिषकों को एक-दूसरे से मलिन, देश के वभिन्न प्रांतों की संस्कृतियों को समझने और सीखने का अवसर प्रदान करते हैं, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की कल्पना को पूरा करते हैं।
- इस तरह के कार्यक्रम सभी को प्रेरति करेंगे और अपनी संस्कृति के साथ-साथ देश के वभिन्न कोनों में रहने वाले आदवासी समुदायों की समृद्ध परंपराओं के बारे में जानने का बेहतर अवसर प्रदान करेंगे।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सहि धामी ने उत्तराखंड में आदवासियों की वविधि परंपराओं और संस्कृति एवं राज्य में अनुसूचति जनजातियों के कल्याण के लिये चलाई जा रही वभिन्न सरकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला।
- उल्लेखनीय है कि ईएमआरएस में शक्तिषा प्राप्त करने वाले आदवासी छात्रों के लिये 'ईएमआरएस राष्ट्रीय सांस्कृतिक उत्सव' हर साल सबसे प्रतीक्षति कार्यक्रम है।
- एनईएसटीएस पूरे भारत में अनुसूचति जनजातियों के लिये ईएमआरएस चला रहा है। ईएमआरएस योजना जनजातीय कार्य मंत्रालय के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है और इसे वर्ष 2018-19 में नया रूप दधिया गया, ताकथिह सुनश्चिति कयिया जा सके कि दूर-दराज के आदवासी इलाकों के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शक्तिषा मलि सके।



LL





